एमओयू के साथ ही लैंड यूज चेंज की एनओसी मिलेगी

जासं, लखनऊ : ग्लोबल इन्वेस्टर समिट से पहले लखनऊ इन्वेस्टर्स मीट में 50 हजार करोड़ के निवेश के लिए प्रशासन निवेशकों को कई तरह की सहूलियतें दे रहा है। इंडस्ट्री लगाने के लिए निवेशकों को जमीन का भूउपयोग बदलने के लिए तहसील के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। राजधानी में उद्योग के लिए जमीन लेने वाले निवेशकों को मेमोरंडम आफ अंडरस्टैंडिंग के साथ ही जमीन परिवर्तन की अनापत्ति प्रमाणपत्र भी मिल जाएगी।

समिट को लेकर प्रशासन इंडस्ट्री एसो. और बड़े उद्यमियों के साथ 50 हजार करोड़ के लक्ष्य को लेकर चल रहा है। डीएम सूर्यपाल गंगवार का कहना है कि उद्योग लगाने के लिए लोग आएं, प्रशासन उन्हें कई तरह की सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

प्रशासन ने नगर निगम सीमा के बाहर करीब डेढ़ सौ गांवों की लिस्ट भेजी है, जहां पर आसानी से जमीन खरीदी जा सकती है। यहां पर जिला पंचायत का नक्शा पास कराने में उद्यमियों की मदद करेंगे। लविप्रा और लखनऊ औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (लीडा) की जमीनें की कीमतें काफी अधिक हैं। प्रशासन ने निवेशकों को जमीन खरीदने में भी मदद करेगा। जमीन का भूउपयोग धारा 80 के तहत परिवर्तन की एनओसी अनुबंध के साथ ही मिल जाएगी।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक होंगे मुख्य अतिथि

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक 10 जनवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमतीनगर में जनपद स्तरीय निवेश शिखर सम्मेलन के मुख्य अतिथि होंगे। शनिवार को आइआइए प्रतिनिधिमंडल के वीरेंद्र शर्मा, आनंदी अग्रवाल, सऊद, वैभव अग्रवाल, सर्वेश गोयल और अदनान दानिश ने ब्रजेश पाठक से मुलाकात की।